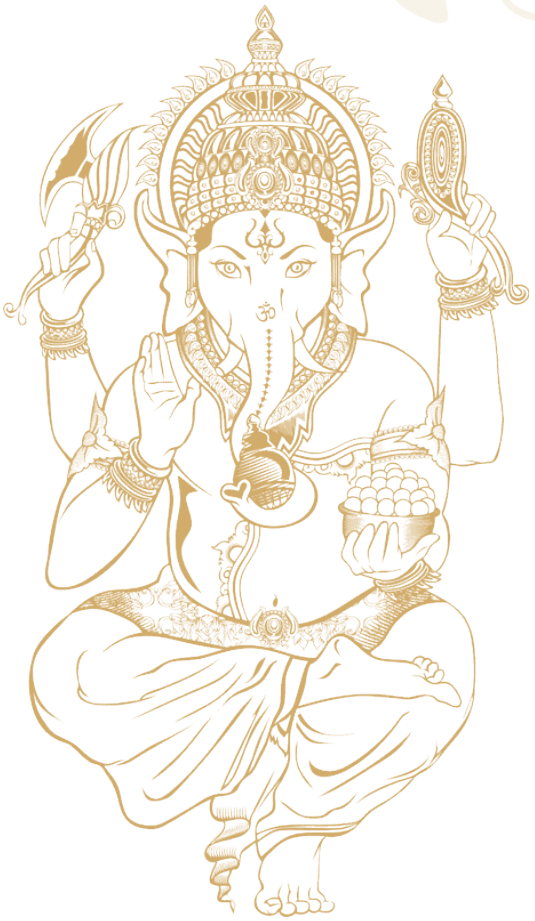

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/02/2026	जन्म तिथि	11/02/2026
बुधवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:55:00	जन्म समय	20:55:00 घंटे
घटी 34:39:50	जन्म समय(घटी)	34:39:50 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:03:03	सूर्योदय	07:03:03
18:08:02	सूर्यास्त	18:08:02
24:13:26	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:26

विंशोत्तरी बुध 10वर्ष 7मा 26दि बुध		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी बुध 10वर्ष 7मा 26दि बुध
11/02/2026		05:55:46	कन्या	लग्न	कन्या	05:55:46	**11/02/2026**
08/10/2036		28:41:02	मक	सूर्य	मक	28:41:02	**08/10/2036**
	00/00/0000	21:38:35	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	21:38:35	00/00/0000
	00/00/0000	20:51:09	मक	मंगल	मक	20:51:09	00/00/0000
	11/02/2026	13:48:15	कुंभ	बुध	कुंभ	13:48:15	11/02/2026
सूर्य	08/11/2026	22:04:45	मिथु व	गुरु व	मिथु	22:04:45	सूर्य 08/11/2026
चन्द्र	09/04/2028	07:17:44	कुंभ	शुक्र	कुंभ	07:17:44	चन्द्र 09/04/2028
मंगल	06/04/2029	05:31:05	मीन	शनि	मीन	05:31:05	मंगल 06/04/2029
राहु	24/10/2031	15:44:32	कुंभ व	राहु व	कुंभ	15:44:32	राहु 24/10/2031
गुरु	29/01/2034	15:44:32	सिंह व	केतु व	सिंह	15:44:32	गुरु 29/01/2034
शनि	08/10/2036	03:15:40	वृष	हर्ष	वृष	03:15:40	शनि 08/10/2036
		06:13:52	मीन	नेप	मीन	06:13:52	
		09:48:21	मक	प्लूटो	मक	09:48:21	

लग्न-चलित

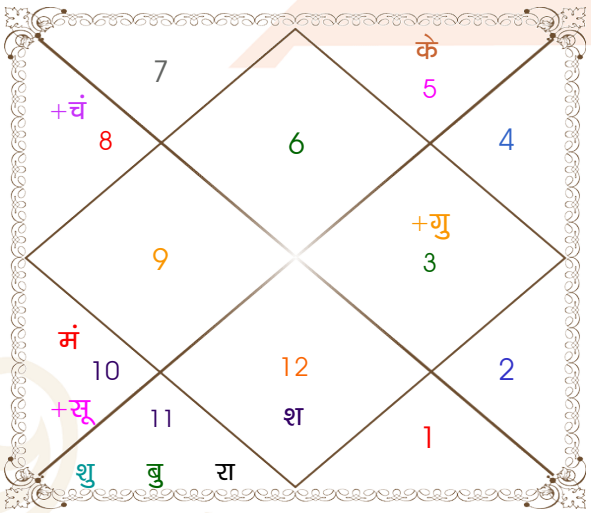

लग्न-चलित

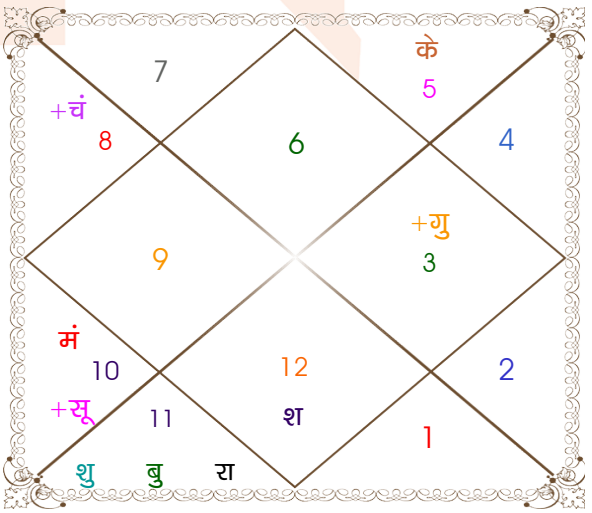

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के एक ही नक्षत्र एवं एक ही चरण है।

Mr. का वर्ग मृग है तथा Ms. का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है एवं चन्द्र से भी मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल चन्द्र कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।